

मंगलवार 24 मार्च, 2026 र 1 अठ्ठावार

दैनिक भास्कर

स्मार्ट एआई के यूज से बढ़ रही छात्रों की कार्यक्षमता



ITM UNIVERSITY

ग्वालियर • आईटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा इनोवेट, बिल्ड, स्केल-आंत्रप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन विषय पर इनोवेशन समिट-2026 का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि अपर आयुक्त नगर निगम टी. प्रतीक राव ने कहा कि प्रतिस्पर्धी युग में एआई का सही उपयोग व्यक्ति को दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है। यदि छात्र-छात्राएं एआई टूल्स का सही ढंग से उपयोग करें, तो वे अपनी कार्य क्षमता को कई गुना बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पुणे के डॉ. दीपक शिकारपुर ने कहा कि आज के समय में तकनीक केवल एक साधन नहीं बल्कि विकास, प्रतिस्पर्धा और नवाचार का

आधार बन चुकी है। समिट में आईटीएम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। समिट में जेनेक्ट्रक्स के फाउंडर अमन बत्रा, टेक्नोबिट सॉल्यूशंस के डायरेक्टर आकाश शर्मा ने उद्योग की अपेक्षाओं, कौशल विकास एवं करियर तैयारी से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर अपने अनुभव साझा किए। साथ ही आईटीएम विवि में आइडियापैड के डायरेक्टर आशीष चंदेल ने संस्थान में संचालित टिकरर्स लैब के माध्यम से एआई के प्रमोशन के साथ ही रचनात्मकता और अनुकूलन क्षमता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर आईटीएम विवि की ओर से स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की एचओडी डॉ. वंदना भारती, डॉ. शिखा सलोनी, अमोल मुटाटकर, अंकिता शर्मा आदि मौजूद रहीं।

पत्रिका

आईटीएम यूनिवर्सिटी में इनोवेशन समिट-2026....

एआई से खुलेंगी नए अवसरों की राह, युवाओं को बनना होगा सृजनकर्ता



ग्वालियर. आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित 'इनोवेशन समिट-2026' में एआई, उद्यमिता और बदलते औद्योगिक परिदृश्य पर गहन चर्चा की गई। 'इनोवेट, बिल्ड, स्केल: आंत्रप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन' विषय पर आयोजित इस समिट में छात्रों को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडिशनल कमिशनर टी. प्रकाश राव

रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. दीपक शिकारपुर ने अपने विचार साझा किए। साथ ही उद्योग जगत से अमन बत्रा और आकाश शर्मा ने भी अपने अनुभवों से छात्रों को मार्गदर्शन दिया।

कुलपति प्रो. डॉ. योगेश उपाध्याय ने कहा कि आज के दौर में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता और तकनीकी नवाचार ही सफलता का आधार हैं। उन्होंने छात्रों से एआई को समस्या-समाधान के प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाने

की अपील की।

टी. प्रकाश राव ने कहा कि एआई का सही उपयोग व्यक्ति को प्रतिस्पर्धा में अलग पहचान दिला सकता है और कार्यक्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है।

मुख्य वक्ता डॉ. दीपक शिकारपुर ने कहा कि एआई आधारित तकनीकें जटिल डेटा को सरल बनाकर त्वरित निर्णय लेने में मदद करती हैं। उन्होंने युवाओं को तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि सृजनकर्ता बनने का संदेश दिया।

नईदुनिया

IV नईदुनिया
ग्वालियर, शनिवार, 21 मार्च, 2026

प्रतिस्पर्धी युग में एआइ का सही उपयोग व्यक्ति को दिला सकता है दूसरों से अलग पहचान

नईदुनिया प्रतिनिधि ग्वालियर: आइटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की ओर से 'इनोवेशन समिट-2026' का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'इनोवेट, बिल्ड, स्केल-आंत्रप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआइ इन एक्शन' रखा गया। मुख्य अतिथि के रूप में एडिशनल कमिशनर टी. प्रकाश राव और मुख्य वक्ता पुणे के डा. दीपक शिकारपुर शामिल हुए। वहीं वक्ता के रूप में अमन बत्रा (संस्थापक जेनेक्ट्रक्स), आब्रश शर्मा (डायरेक्टर, टेक्नोविट सॉल्यूशंस) उपस्थित रहे। समिट में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो डा. उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में केवल पारंपरिक ज्ञान



आइटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन समिट में बोलते वक्ता आइटीएम

पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता एवं तकनीकी नवाचार ही सफलता की कुंजी है। एआइ केवल एक तकनीक नहीं है, बल्कि एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो छात्र-छात्राओं की सोचने, समझने और समस्याओं को

हल करने की क्षमता को नए आयाम देता है। एआइ को केवल एक विषय के रूप में न लें, बल्कि इसे उपकरण के रूप में अपनाएं, जिसके माध्यम से वे नए विचार विकसित कर सकें, प्रयोग कर सकें और समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान

इनोवेशन समिट-2026

● आइटीएम विश्वविद्यालय में शामिल वक्ताओं ने कहा....

खोज सकें। यही दृष्टिकोण उन्हें भविष्य में सफल, नवाचारी और आत्मनिर्भर बनाएगा।

एआइ समस्याओं के समाधान का भी शक्तिशाली उपकरण: एडिशनल कमिशनर टी. प्रतीक राव ने कहा कि प्रतिस्पर्धी युग में एआइ का सही उपयोग व्यक्ति को दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है। यदि छात्र-छात्राएं एआइ टूल्स का सही ढंग से उपयोग करें, तो वे अपनी कार्य क्षमता को कई गुना बढ़ा सकते हैं।

नव भारत

ग्वालियर, शनिवार 21 मार्च, 2026 12

एआई का सही उपयोग व्यक्ति को दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है: प्रतीक राव

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 20 मार्च. आईटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 'इनोवेशन समिट-2026' का आयोजन किया गया।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में 'इनोवेशन समिट-2026' का हुआ आयोजन

जिसका विषय 'इनोवेट, बिल्ड, स्केल-आंत्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन' रहा। इस समिट में मुख्य अतिथि के रूप में

ग्वालियर एडिशनल कमिश्नर टी. प्रकाश राव और मुख्य वक्ता के रूप में पुणे से आए डॉ. दीपक शिकारपुर शामिल हुए। वहीं वक्ता के रूप में अमन बत्रा (संस्थापक जेनेक्स्टक्स), आकाश शर्मा (डायरेक्टर, टेक्नोबिट सॉल्यूशंस) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय, आईडियापैड के डायरेक्टर आशीष चंदेल, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की एचओडी डॉ. वंदना भारती, इनोवेशन समिट डॉ. शिखा सलोनी, अमोल मुटाटकर,



अकिता शर्मा ने कोर्डिनेट की। इसके अलावा प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। समिट में आईटीएम यूनिवर्सिटी के वाइस

चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-

समाधान क्षमता एवं तकनीकी नवाचार ही सफलता की कुंजी है।

आईटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित 'इनोवेशन समिट-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ग्वालियर एडिशनल कमिश्नर टी. प्रतीक राव ने कहा कि प्रतिस्पर्धी युग में एआई का सही उपयोग व्यक्ति को दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है। यदि छात्र-छात्राएं एआई टूल्स का सही ढंग से उपयोग करें, तो वे अपनी कार्य क्षमता को कई गुना बढ़ा सकते हैं और अपने विचारों को अधिक प्रभावी ढंग से

विकसित एवं प्रस्तुत कर सकते हैं। मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए पुणे से आए डॉ. दीपक शिकारपुर ने कहा कि आज के समय में तकनीक केवल एक साधन नहीं बल्कि विकास, प्रतिस्पर्धा और नवाचार का आधार बन चुकी है। वहीं इनोवेशन समिट में अमन बत्रा (संस्थापक जेनेक्स्टक्स), आकाश शर्मा (डायरेक्टर, टेक्नोबिट सॉल्यूशंस) ने उद्योग की अपेक्षाओं, कौशल विकास तथा कॉरियर तैयारी से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर अपने अनुभव साझा किए।

आचारण



आईटीएम में 'इनोवेशन समिट-2026' का आयोजन

● आचरण संवाददाता

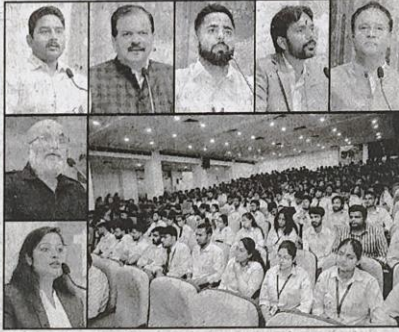
ग्वालियर। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 'इनोवेशन समिट-2026' का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'इनोवेट, बिल्ड, स्केल-ऑनप्रैक्टिसिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन' रहा। इस समिट में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर एडिशनल कमिशनर टी. प्रकाश राव और मुख्य वक्ता के रूप में पुणे से आए डॉ. दीपक शिंकारपुर शामिल हुए। वहीं वक्ता के रूप में अमन बत्रा (संस्थापक जेनेटिक्स), आकाश शर्मा (डायरेक्टर, टेक्नोबिट सॉल्यूशंस) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय, आईडियापेड के डायरेक्टर आशीष चंदेल, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की एचओडी डॉ. वंदना भारती, इनोवेशन समिट डॉ. शिखा सलोनी, अमोल मुट्टकर, अंकिता शर्मा ने कोर्डीनेट की। इसके अलावा प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता एवं तकनीकी नवाचार ही सफलता

की कुंजी है। वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 'इनोवेट, बिल्ड, स्केल-ऑनप्रैक्टिसिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन' विषय पर आयोजित इनोवेशन समिट-2026 का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के बाद अतिथियों का परिचय और सम्मान के साथ हुआ। समिट में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता एवं तकनीकी नवाचार ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि एआई केवल एक तकनीक नहीं है, बल्कि एक ऐसा सशक्त माध्यम है जो छात्र-छात्राओं की सोचने, समझने और

समस्याओं को हल करने की क्षमता को नए आयाम देता है। उन्होंने कहा कि एआई को केवल एक विषय के रूप में न लें, बल्कि इसे उपकरण के रूप में



अपनाएं, जिसके माध्यम से वे नए विचार विकसित कर सकें, प्रयोग कर सकें और समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान खोज सकें। यही दृष्टिकोण

उन्हें भविष्य में सफल, नवाचारी और आत्मनिर्भर बनाएगा।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित 'इनोवेशन समिट-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ग्वालियर एडिशनल कमिशनर टी. प्रतीक राव ने कहा कि प्रतिस्पर्धी युग में एआई का सही उपयोग व्यक्ति को दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है। यदि छात्र-छात्राएं एआई टूल्स का सही ढंग से उपयोग करें, तो वे अपनी कार्य क्षमता को कई गुना बढ़ा सकते हैं और अपने विचारों को अधिक प्रभावी ढंग से विकसित एवं प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समस्याओं के समाधान का एक शक्तिशाली उपकरण है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया कि वे एआई का उपयोग वास्तविक जीवन की समस्याओं-विशेषकर सामाजिक एवं स्थानीय मुद्दों के समाधान खोजने में करें। उन्होंने कहा कि यदि छात्र-छात्राएं एआई को एक सशक्त उपकरण के रूप में अपनाते हुए नवाचार, सहयोग और नैतिकता के साथ कार्य करेंगे तो वे न केवल अपने करियर में सफलता प्राप्त करेंगे, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।

स्वदेश

1948 से...

रचनात्मकता, तकनीकी कौशल व एआई का सही उपयोग ही सफलता की कुंजी

आईटीएम में इनोवेशन समिट आयोजित



स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा इनोवेशन समिट-2026 का आयोजन किया गया। इनोवेट, बिल्ड, स्केल-आंत्रप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम के अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव और मुख्य वक्ता के रूप में पुणे से आए डॉ. दीपक शिकारपुर शामिल हुए।

कार्यक्रम में वाइस चांसलर प्रो. डॉ. योगेश उपाध्याय ने स्वागत भाषण में कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता और तकनीकी नवाचार सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने एआई को एक सशक्त उपकरण बताते हुए छात्रों से इसे व्यवहारिक रूप में अपनाने की अपील की।

अपर आयुक्त श्री राव ने कहा

कि प्रतिस्पर्धी युग में एआई का सही उपयोग व्यक्ति को अलग पहचान दिला सकता है। वहीं डॉ. दीपक शिकारपुर ने कहा कि एआई आधारित तकनीकें आज निर्णय लेने और नवाचार का आधार बन चुकी हैं और युवा इसके माध्यम से नई संभावनाओं को साकार कर सकते हैं।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में अमन बत्रा (संस्थापक, जेनेक्ट्रक्स) और आकाश शर्मा (डायरेक्टर, टेक्नोबिट सॉल्यूशंस) ने उद्योग और करियर से जुड़े अनुभव साझा किए। आइडियापैड के डायरेक्टर आशीष चंदेल ने टिंकरर्स लैब के माध्यम से एआई और रचनात्मकता को बढ़ावा देने पर प्रकाश डाला।

समिट का संचालन डॉ. वंदना भारती, डॉ. शिखा सलोनी, अमोल मुटाटकर और अंकिता शर्मा ने किया। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पीपुल्स समाचार

स्थापना वर्ष 2009

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और नई दिल्ली से प्रकाशित

‘इनोवेशन समिट-2026’, एआई और नवाचार पर विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन

पीपुल्स संवाददाता • ग्वालियर

मो.नं. 9644644430

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा इनोवेशन समिट-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय इनोवेट, बिल्ड, स्केल-आंत्रप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन रहा। मुख्य अतिथि के रूप में टी. प्रतीक राव एवं मुख्य वक्ता डॉ. दीपक शिकारपुर उपस्थित रहे।

वाइस चांसलर डॉ. योगेश उपाध्याय ने कहा कि आज के वैश्विक दौर में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-समाधान और तकनीकी नवाचार सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने एआई को एक सशक्त उपकरण के रूप में अपनाने पर जोर दिया। एसडीएम टी. प्रतीक राव ने कहा कि प्रतिस्पर्धी युग में एआई का सही उपयोग व्यक्ति को अलग पहचान



दिलाता है और कार्यक्षमता बढ़ाता है। डॉ. दीपक शिकारपुर ने कहा कि एआई आधारित तकनीकों से युवा नई संभावनाएं पहचान कर नवाचार को वास्तविक रूप दे सकते हैं। समिट में अमन बत्रा और आकाश शर्मा ने भी उद्योग व करियर से जुड़े अनुभव साझा किए। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने

सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में आशीष चंदेल, डॉ. वंदना भारती, डॉ. शिखा सलोनी, अमोल मुटाटकर और अंकिता शर्मा की विशेष भूमिका रही। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की और विशेषज्ञों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सत्यास्र

आईटीएम में 'इनोवेशन समिट-2026' का हुआ आयोजन

सत्यास्र
ग्वालियर। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 'इनोवेशन समिट-2026' का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'इनोवेट, बिल्ड, स्केल-ऑनप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन' रहा। इस समिट में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर एडिशनल कमिशनर टी. प्रकाश राव और मुख्य वक्ता के रूप में पुणे से आए डॉ. दीपक शिकारपुर शामिल हुए। वहीं वक्ता के रूप में अमन बत्रा (संस्थापक जेनेक्ट्रक्स), आकाश शर्मा (डायरेक्टर, टेक्नोबिट सॉल्यूशंस) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय, आईडियापैड के डायरेक्टर आशीष चंदेल, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की एचओडी डॉ. वंदना भारती, इनोवेशन समिट डॉ. शिखा सलोनी, अमोल मुटाटकर, अंकिता शर्मा ने कोर्डिनेट की। इसके अलावा प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता एवं तकनीकी नवाचार ही सफलता की कुंजी है: वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 'इनोवेट, बिल्ड, स्केल-ऑनप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री एंड एआई इन एक्शन' विषय पर आयोजित इनोवेशन समिट-2026 का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के बाद अतिथियों का परिचय और सम्मान के साथ हुआ। समिट में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में केवल पारंपरिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता एवं तकनीकी नवाचार ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि एआई केवल एक



तकनीक नहीं है, बल्कि एक ऐसा सशक्त माध्यम है जो छात्र-छात्राओं की सोचने, समझने और समस्याओं को हल करने की क्षमता को नए आयाम देता है। उन्होंने कहा कि एआई को केवल एक विषय के रूप में न लें, बल्कि इसे उपकरण के रूप में अपनाएं, जिसके माध्यम से वे नए विचार विकसित कर सकें, प्रयोग कर सकें और समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान खोज सकें। यही दृष्टिकोण उन्हें भविष्य में सफल, नवाचारी और आत्मनिर्भर बनाएगा।

प्रतिस्पर्धी युग में एआई का सही उपयोग व्यक्ति को दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है: एडिशनल कमिशनर टी. प्रतीक राव
आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित 'इनोवेशन समिट-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ग्वालियर एडिशनल कमिशनर टी. प्रतीक राव ने कहा कि प्रतिस्पर्धी युग में एआई का सही उपयोग व्यक्ति को दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है। यदि छात्र-छात्राएं एआई टूल्स का सही ढंग से उपयोग करें, तो वे

अपनी कार्य क्षमता को कई गुना बढ़ा सकते हैं और अपने विचारों को अधिक प्रभावी ढंग से विकसित एवं प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समस्याओं के समाधान का एक शक्तिशाली उपकरण है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया कि वे एआई का उपयोग वास्तविक जीवन की समस्याओं-विशेषकर सामाजिक एवं स्थानीय मुद्दों के समाधान खोजने में करें।